क्लिंटन और ओबामा से पहले

ऋचा वर्मा

अमेरिका के सर्वोच्च पद की दौड़ में शामिल महिलाएं और अफ्रीकी-अमेरिकी उम्मीदवार

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए मैदान में उतरने वाली महिला उम्मीदवार

1872
विक्टोरिया सी. वुडहल, अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए पहली महिला उम्मीदवार, जब महिलाओं को मतदान का अधिकार भी नहीं था।

1964
मार्गरेट चेज़ स्मिथ, राष्ट्रपति पद के लिए प्रमुख दल से नामांकन पाने वाली पहली महिला।

समाप्त: कमेटीज़ ऑफ़ करस्पोंडेंस फ़ॉर डेमोक्रेसी एंड सोशलिज़्म।

1968
शार्लीन मिशेल, कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर राष्ट्रपति पद की दौड़ में उतरने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला।

© पी. फ्रैंक्लिन - यू. पी. आई.

1972
शर्ली चिशॉम, अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए प्रमुख दल के नामांकन की दौड़ में पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला।

© पी. फ्रैंक्लिन - यू. पी. आई.

1984
जेराल्डीन फ़रारो, अमेरिकी उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रमुख दल द्वारा नामांकित पहली महिला।

2000
एलिज़ाबेथ डोल, रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन के लिए दौड़ में रहीं।

2004
कैरल मोज़ली ब्रॉन, पहली अफ्रीकी अमेरिकी सेनेटर, डेमोक्रेटिक पार्टी के नामांकन की दौड़ में रहीं।

2008
हिलैरी क्लिंटन, फ़र्स्ट लेडी रह चुकी हैं, डेमोक्रेटिक पार्टी के नामांकन के प्रयास में।

वर्ष 2008 का राष्ट्रपति पद का चुनाव अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद पर किसी महिला या अफ्रीकी-अमेरिकी को निर्वाचित कर पाने का पहला वास्तविक अवसर उपलब्ध करवा रहा है- जॉर्ज वाशिंगटन द्वारा राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से ही, दो सदियों से भी अधिक समय से, श्वेत पुरुष ही अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेते रहे हैं।

वैसे तो राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी बनने के लिए न्यू यॉर्क की सेनेटर हिलैरी क्लिंटन और इलिनॉय के सेनेटर बाराक ओबामा के बीच चल रही दौड़ मतदाताओं को एक अनूठे चुनाव का अवसर उपलब्ध करवा रही है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इससे पहले राष्ट्रपति पद के महिला या अश्वेत प्रत्याशी रहे ही नहीं।

अमेरिकी महिलाओं को मतदान का अधिकार भले ही 1920 में मिला हो लेकिन इससे लगभग आधी सदी पहले, 1872 में स्टॉक ब्रोकर और प्रकाशक विक्टोरिया सी. वुडहल इक्वल राइट्स पार्टी के प्रत्याशी के रूप में राष्ट्रपति चुनाव में खड़ी हुई थीं और पहली बार कोई महिला राष्ट्रपति पद के चुनाव में सामने थीं। 19वीं सदी में इस दौड़ में शामिल होने वाली एक ही और प्रत्याशी थीं बेल्वा एन लॉकवुड जो 1884 में नेशनल इक्वल राइट्स पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार रही हैं। वह अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने वाली पहली महिला भी थीं।

इसके बाद सात दशकों तक कोई प्रमुख महिला प्रत्याशी दौड़ में नहीं थी। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव 1964 में फिर रोचक बना जब मेन की रिपब्लिकन हस्ती मार्गरेट चेज़ स्मिथ किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक दल के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में नामांकन की दावेदार बनीं। वर्ष 1948 में पहली बार सेनेट के लिए चुनी गईं मार्गरेट चेज़ स्मिथ 32 वर्ष तक कांग्रेस में सक्रिय रहीं लेकिन राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी का चुनाव करने के लिए हुए 1964 के रिपब्लिकन नेशनल कन्वेन्शन में वह मतों के भारी अंतर से एरिज़ोना के सेनेटर बैरी गोल्डवाटर से काफी पीछे रहीं।

विक्टोरिया सी. वुडहल के ऐतिहासिक प्रयास की 100वीं वर्षगांठ पर 1972 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के नामांकन के लिए शर्ली एनिटा चिशॉम की दावेदारी अमेरिकी राजनीति में अपनी तरह की पहली घटना थी- सात बार न्यू यॉर्क से कांग्रेस में निर्वाचित यह महिला अमेरिका के सर्वोच्च पद की दावेदारी करने वाली पहली अश्वेत महिला थीं। हांलाकि वह राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में नामांकित नहीं हुई लेकिन उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी कन्वेन्शन में 3016 डेलिगेट मतों में से 5 प्रतिशत मत प्राप्त हुए जो तब तक किसी भी दल की महिला प्रत्याशी को हासिल अधिकतम मत थे।

आज हिलैरी क्लिंटन डेमोक्रेटिक पार्टी प्राइमरी और कॉकस में कई राज्यों में बहुमत पाकर अब तक की महिला प्रत्याशियों से आगे बढ़ चुकी हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी प्राइमरी और कॉकस में हुए मतदान में वह 1400 से ज़्यादा डेलिगेटों का समर्थन पा चुकी हैं। वह 2025 डेलिगेटों के उस आंकड़े के आधे से ज़्यादा का समर्थन हासिल कर चुकी हैं जो उनकी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के रूप में नामांकन की पहली शर्त है। लेकिन दौड़ अब भी जारी है क्योंकि उनके प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी ओबामा भी 1500 से ज़्यादा डेलिगेट का समर्थन जुटा चुके हैं। नामांकन के लिए ज़रूरी डेलीगेट की संख्या का आधे से ज़्यादा जीत चुके हैं। उनसे पहले किसी भी अफ्रीकी-अमेरिकी प्रत्याशी को इतने मत नहीं मिले हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के सबसे करीब तक पहुंची हैं हाउस ऑफ़ रिप्रेजेन्टेटिव्ज की स्पीकर नैंसी पेलोसी जो 2007 से इस पद पर हैं लेकिन वह राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कभी शामिल नहीं रही हैं। वह केवल कैलिफ़ोर्निया के अपने चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं के मतों के आधार पर निर्वाचित हुई हैं लेकिन अमेरिकी संविधान के अनुसार उपराष्ट्रपति डिक चेनी के बाद वरिष्ठता क्रम में वही हैं। इससे पहले राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति द्वारा अपने कार्यभारों का निर्वाह न कर पाने की स्थिति में शासन का ज़िम्मा संभालने वाले लोगों की व्यवस्था देने वाले 1947 के उत्तराधिकार कानून के अनुसार राष्ट्रपति पद के करीब अफ्रीकी-अमेरिकी कॉलिन पॉवेल और कोंडोलीज़ा राइस भी कतार में आगे रहे हैं क्योंकि दोनों ही राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने दलों की प्रत्याशी बनने की दौड़ में कई महिलाएं शामिल रही हैं, उनमें से कुछ सफल भी रहीं। वर्ष 1972 में टेक्सस की पूर्व राज्य प्रतिनिधि फ्रांसेस (सिस्सी) फैरेंटोल्ड डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति पद के नामांकन की दौड़ में दूसरे स्थान पर रहीं।

अश्वेतवादी आंदोलन 'ब्लैक पावर' की कार्यकर्ता और लॉस एंजिलिस में यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया में प्रोफ़ेसर एंजेला डेविस 1980 और 1984 में उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में कम्युनिस्ट पार्टी की

राष्ट्रपति पद की दौड़ में अफ्रीकी अमेरिकी उम्मीदवार

© पी. ई. न्यूज़ ब्यूरो, पी.

1984 & 1988

जेसी जैक्सन

© पी. ई. न्यूज़ ब्यूरो, पी. - ब्लूमबर्ग

1996, 2000 & 2008

एलन कीज़

© पी. ई. न्यूज़ ब्यूरो, पी. - ब्लूमबर्ग

2004

एल शार्पटन

© पी. ई. न्यूज़ ब्यूरो, पी. - ब्लूमबर्ग

2008

बराक ओबामा

प्रत्याशी रहीं।

तीसरी बार कांग्रेस की सदस्य निर्वाचित हुई जेराल्डीन ए. फ़रारो किसी बड़े राजनीतिक दल के टिकट पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने वाली पहली महिला थीं। 1984 में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी वाल्टर एफ़. मोंडेल ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए अपना साथी चुना था। इस जोड़ी को रिपब्लिकन पार्टी के क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशियों रोनाल्ड रीगन और जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने हराया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने वाले अफ्रीकी-अमेरिकी प्रत्याशियों में नागरिक अधिकार आंदोलन के कार्यकर्ता जैसी जैक्सन बहुत महत्वपूर्ण हैं। वर्ष 1980 और 1984 में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनने के दावेदार जैक्सन को 1980 में पार्टी के प्राइमरी और कॉकस में तो 21 प्रतिशत मत मिले लेकिन डेलीगेट के केवल 8 प्रतिशत मत ही मिल पाए। 1984 में उन्हें 1980 की तुलना में दो गुने मत मिले, लेकिन पार्टी कन्वेंशन में हुए मतदान में वह मैसाच्यूसेट्स के गर्वनर माइकल डुकाकिस से पीछे रहे।

रीगन प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मामलों के विदेश उपमंत्री रहे अफ्रीकी-अमेरिकी एलन कीज़ 1996, 2000 और इस साल भी राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी रहे। इस साल कई प्राइमरी में डेलिगेटों का एक भी वोट न मिलने के बाद वह शुरूआत में ही प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गए।

अब ओबामा का अभियान इतिहास रच रहा है। 31 राज्यों की प्राइमरी और कॉकस में उन्हें बहुसंख्य डेलीगेट मत मिले और मई तक राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी के रूप में नामांकन के लिए उन्हें सबसे अधिक डेलिगेटों के मत प्राप्त हो चुके थे। कई राज्यों में उनकी ज़बर्दस्त जीत बताती है कि उन्हें भारी संख्या में श्वेतों और अश्वेतों के मत प्राप्त हो रहे हैं। कैन्सस की रहने वाली एक श्वेत अमेरिकी मां और केन्या के रहने वाले अश्वेत पिता की संतान ओबामा इस चुनाव में एक अनूठा पहलू हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के नामांकन की दौड़ में ओबामा जीतें या हिलैरी, और राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मैक्केन के खिलाफ इनमें से कोई भी जीते या नहीं, उनकी अब तक की उपलब्धियों ने कई धारणाएं तोड़ी हैं और दिखा दिया है कि अमेरिकी राजनीति में क्या सम्भव है।

ज़्यादा जानकारी के लिए:

श्वेतों-अश्वेतों के बीच ओबामा की लोकप्रियता

http://www.washingtonpost.com/wp-dyn/content/article/2008/ 01/11/AR2008011101414_pf.html

महिला राष्ट्रपति चुनने के लिए अभियान

http://www.americanwomenpresidents.org/the_campaign.htm

चुनाव 2008

http://www.cnn.com/ELECTION/2008/